कल्पवृक्ष

प्रधानमंत्री जन-धन योजना

मेरा खाता भाग्य विधाता

बैंक - खाता एक, लाभ अनेक

अरे, भोला तू बीज के लिए उधार लेने नहीं आया? क्या फसल नहीं लगानी?
शुभलाभ
लाला, फसल तो बो भी दी.
बोदी ! पर बीज के लिए पैसे कहां से लिए?
बैंक से.
क्यों मजाक कर रहा है भोला, बैंक यूंही सबको लोन कहां देता है.

नहीं लाला, अब 6 महीने संतोषजनक खाता चलाने पर बैंक 5000रु. तक ओवरड्राफ्ट दे देता है और समय पर भुगतान करने पर खेती, काम धन्धे, पशुपालन के लिए भी कम ब्याज पर लोन देता है.

याद है, जब हरिया के खेत खलिहान आग की भेंट चढ़ गए थे और घर में रखा धनचोर चुरा कर ले गए थे.

तब मैनेजर साब ने उसका खाता खुलवाया था. उसके बाद हरिया ने हमें बताया और हम सब ने भी अपने खाते बैंक में खुलवा लिए.

अब हम सब अपनी छोटी बड़ी बचत बैंक खाते में ही रखते हैं, ताकि समय आने पर किसी के आगे हाथ न फैलाने पड़ें. जहां पर धन भी सुरक्षित रहे और ब्याज मिले अलग से.

100/-

बैंक भी बिना अंगूठा लगवाए पैसा नहीं देने वाला.

बैंक का अंगूठा और फिंगरप्रिंट खातेदार की पहचान के लिए होते हैं, न की किसी की जमीन हड़पने के लिए.

गांव वालों को इतनी समझ कहां, फिर यह पट्टी किसने पढ़ाई ?

हरिया, मैनेजर साहब और बैंक मित्र ने, वह समय-समय पर हमारी सभी परेशानियों का समाधान निकालते रहते हैं.

और एक बात बताओ, बैंक में खाता खोलने के लिए आवश्यक दस्तावेज़ भी तो चाहिए होते हैं. सब के पास पूरे कागज भी नहीं होते, फिर उन के खाते कैसे खोले?

लाला, खाता खोलने के लिए पते का प्रमाण पत्र व फोटो आईडी की आवश्यकता होती है, उसके लिए वोटर आईडी, मनरेगा जॉबकार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, टेलीफोन का बिल, आधारकार्ड में से कोई हो होने चाहिए.

और जिस के पास कुछ नहीं हो तो?

तो बैंक सरपंच के प्रमाण पत्र के साथ भी खाता खोल देता है.
धन्यवाद
सरपंच
हाय! बैंक हमारा धंधा चौपट कर के रहेगा. खाता खुलवाना ऐसे आसान कर दिया है जैसे अंगूठा लगा कर पैसा निकालना.
अरे वह रामू लड़की के हाथपीले करने के लिए उधार लेने आनेवाला था, वह कहां रह गया?
उसने भी बैंक में खाता खुलवा कर सारा पैसा जमा कर दिया.
क्या?
यूनियन बैंक

हां, कह रहा था कि अभी तो लड़की की उम्र कच्चे घड़े जैसी है.
दो-चार बरस में उसकी उम्र भी ठीक हो जाएगी और खाते में बचत और ब्याज से कुछ पैसे भी जमा हो जाएंगे फिर आराम से लड़की की शादी करूंगा.
वाह! बहुत अच्छे विचार हैं.
कल्लू ने भी अपनी पान-बीड़ी की आदत छोड़ सारा पैसा बैंक में जमा करना शुरू कर दिया. इस पैसे से वह बच्चों को पढ़ा-लिखा कर होशियार बनाना चाहता है.
ठीक कहते हो, लगता है इस गांव से हमारा दानापानी खत्म.

पर एक दिन तो हमारी दुकान चल सकती है. रविवार बैंक की छुट्टी होती है, आखिर उस दिन किसी को पैसे की जरूरत हुई तो उसे सीधे हमारे ही पास आना होगा.

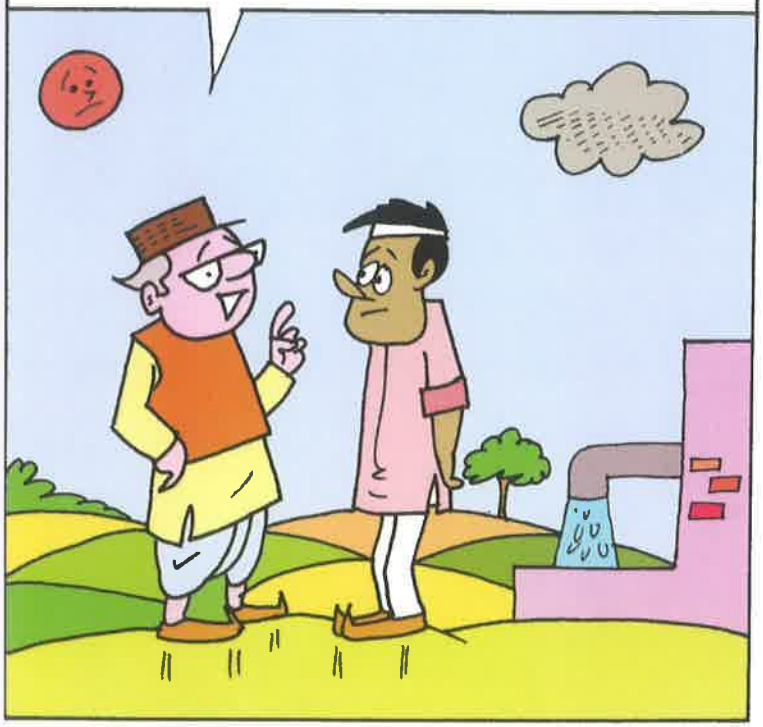

अरे लाला बैंक एटीएम कार्ड भी दे रहा है, इससे २५ घंटे पैसा निकाला जा सकता है.

कोई बात नहीं पर वृद्ध और जरूरतमंदों को तो हमारे पास ही आना पड़ेगा. वही हमारे सबसे पुराने व वफादार ग्राहक हैं.

अब बैंक मित्र गांव-गांव, घर-घर जाकर बैंकिंग सुविधाएं देता है. लोग घर बैठे ही पैसा जमा भी करा सकते हैं एवं निकाल भी सकते हैं और बैंक मित्र इसकी रसीद भी देता है.

मैनेजर साब कहते हैं कि आधार नं. को बचत खाते से जोड़ा जा सकता है.

आधार पर आधारित सामाजिक सुरक्षा भुगतानों जैसे वृद्धावस्था, विकलांग / विधवा पेंशन / छात्रवृतियां, गैस की सब्सिडी, मनरेगा की मजदूरी का भुगतान सीधे बैंक खाते में आ जाता है.

अब रहीम काका को हफ्तों डाकिए का इंतजार भी नहीं करना पड़ता. उधर बेटे ने शहर में पैसे जमा कराए, यहां रहीम काका के बैंक खाते में जमा हो गए.

वाह!

100/-

नकद

अपना गंगवा दुर्घटना का शिकार हो गया है. उसके घर वालों को तुरंत पैसे चाहिए, वह अवश्य ही अपना खेत गिरवी रखने मेरे पास आएंगे.

तुम भी बहुत भोले हो लाला, इस योजना में बैंक खाता खोलने पर एक लाख का दुर्घटना बीमा भी है, वह भी तुम्हारे पास क्यों आएगा.

ओह! जब सब का खाता बैंक में खुल गया तो हमारे पास कौन आएगा. मेरा तो धंधा ही चौपट हो जाएगा.

एक दिन, बैंक में

अरे लाला जी आप?

मैनेजर साहब अब तो हमारा भी खाता खोल दीजिए.

क्यों नहीं.

आप अपना आधारकार्ड न २ फोटो दीजिए और अपनी उंगलियों के फिंगर प्रिंट और यह छोटा सा फार्म भरे.
यह लो, बैंक खाते की पासबुक और यह एटीएमकार्ड भी.
कमाल है!
केवल ३ मिनट में खाता! हम तो समझते थे कि यह बहुत कठिन कार्य है.
मेरा सारा पैसा इस में जमा कर दीजिए. आज तक मैं सूदखोरी का धंधा करता था. अब मैं अपना पैसा देश और जनता के विकास में लगा कर अपना कर्ज चुकाना चाहता हूं.
₹

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई के वित्तीय